

प्रेषक,

श्रीमती इन्दिरा आशीष,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
पिथौरागढ़।

न्याय विभाग :

देहरादून, दिनांक 04 अगस्त, 2006

विषय : श्री चन्द्र बल्लभ उप्रेती, अधिवक्ता को आपराधिक मामलों के संचालन हेतु नामिका वकील के रूप में आवद्ध किया जाना।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-825/बीस-1(2005-06) दिनांक 13.02.2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जिला पिथौरागढ़ में मजिस्ट्रेट न्यायालयों के समस्त फौजदारी दादों के संचालन हेतु शासन द्वारा सम्यक विचारोपरान्त श्री चन्द्र बल्लभ उप्रेती, अधिवक्ता को शासनादेश संख्या-43-एक(1)/न्याय अनुभाग/2003, दिनांक 26-2-2003 द्वारा नामिका वकील हेतु निर्धारित फीस की दरों पर नामिका वकील के रूप में आवन्धन-पत्र में उल्लिखित शर्तों के अधीन दिनांक 8-8-2003 से एक वर्ष की अवधि के लिए आवद्ध किया जाता है। उनका आवन्धन पत्र एतद् संलग्न है।

2- अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया सम्बन्धित अधिवक्ता का आवन्धन-पत्र उन्हें तुरन्त उपलब्ध कराते हुए उनसे लिखित सहमति, आयु का प्रमाण पत्र, अधिवक्ता पंजीकरण प्रमाण पत्र को सत्यापित प्रतिलिपि तथा उनके आवास का विवरण प्राप्त कर शासन को दयाशील भेजने का कष्ट करें।

3- श्री चन्द्र बल्लभ उप्रेती यदि इस समय शपथ-आयुक्त, नोटरी या इस प्रकार के अन्य किसी शाराकीय पद अथवा समकक्ष पद पर कार्यरत हो, तो उनसे उक्त पद से त्याग पत्र प्राप्त कर लिया जाय तथा इसकी सूचना शासन को भी दी जाय।

4- मुझे यह कहने का भी निदेश हुआ है कि यदि आवद्ध अधिवक्ता लिखित सहमति तथा अपेक्षित प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दे तो आप मजिस्ट्रेट न्यायालय में फौजदारी दादों का संचालन नामिका वकील के रूप में उक्त अधिवक्ता से प्रारम्भ करा दें।

संलग्नक : यथोपरि

भवदीया,

(श्रीमती इन्दिरा आशीष)
सचिव

संख्या : यू0ओ0 72123/XXXVI(1)/06, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
- 2- जिला न्यायाधीश, पिथौरागढ़।
- 3- कोषाधिकारी, पिथौरागढ़।
- 4- सम्बन्धित अधिवक्ता।
- 5- एन्.आई.सी./गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव

प्रेषक,

श्रीमती इन्दिरा आशीष,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

श्री चन्द्र बल्लभ उप्रेती,
एडवोकेट,
पुत्र श्री भवानी दत्त उप्रेती,
सिविल कोर्ट परिसर,
जिला पिथौरागढ़।

न्याय विभाग :

देहरादून, दिनांक 04 अगस्त, 2007

विषय : आपराधिक मामलों के संचालन हेतु नामिका वकील के रूप में आबद्ध किया जाना।

महोदय,

मुझे आपको यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि महामहिम राज्यपाल जिला पिथौरागढ़ के मजिस्ट्रेट न्यायालयों के समक्ष फौजदारी बादों में सरकार या उसके अधिकारियों की ओर से फौजदारी बादों के संचालन हेतु शासनादेश संख्या-43-एक(1)/न्याय अनुभाग/2003, दिनांक 28 फरवरी, 2003 द्वारा नामिका वकील हेतु निर्धारित फीस की दरों पर आपको नामिका वकील के रूप में एक वर्ष की अवधि के लिए आबद्ध करने की सहमति स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन प्रदान की जाती है कि राज्य सरकार किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के और बिना कोई कारण बताए इस आबद्धता को समाप्त कर सकती है। आप इस आशय का प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी को प्रस्तुत करेंगे कि इस शर्त में आपको कोई आपत्ति नहीं है।

3- अतः मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि यदि आप उक्त नामिका वकील के पद पर कार्य करना चाहें, तो कृपया अपनी लिखित सहमति, आयु का प्रमाण-पत्र तथा अभिव्यक्ति बंजीकरा प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि और अपने आपास का विवरण जिलाधिकारी को प्रस्तुत करने का काम करें।

4- मुझे यह कहने का भी निदेश हुआ है कि यदि आपने इस पत्र की प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर उक्त प्रस्तर-3 के अनुसार प्रमाण-पत्र, सहमति प्रस्तुत नहीं की, तो इस आबद्धन का प्रस्ताव स्वतः समाप्त माना जायेगा।

5- मुझे यह भी कहने का निदेश हुआ है कि आपकी सहमति एवं उपरोक्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये जाने के दिनांक से आपके आबद्धन की अवधि प्रारम्भ होगी और उसी दिन से नामिका वकील के रूप में कार्य प्रारम्भ करेंगे। आपके कार्यकाल की अवधि अधिकतम दिनांक 07-08-2007 तक रहेगी।

भवदीय



(श्रीमती इन्दिरा आशीष)
सचिव